जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

जुलाई – दिसम्बर 2020 वर्ष– 04 अंक – 15

इस अंक में

- अवार्ड/सम्मान
- कृषि विज्ञान केन्द्रो के सराहनीय कार्य
- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

संरक्षक
प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक
डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवाएं
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक
डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल
डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. वाय.एम. शर्मा
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता

निदेशक की कलम से

किसान कल्याण हेतु कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संर्वधन और सुविधा) विधेयक 2020, मूल्य आश्वासन पर किसान समझौता और कृषि सेवा विधेयक 2020 तथा आवश्यक वस्तु विधेयक 2020 को पारित किया है, ये कानून किसानों के हितों को साधने में सक्षम है । कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य विधेयक 2020 का उद्देश्य एक ऐसे परिस्थिति तंत्र का निर्माण करना है जहाँ किसान प्रतिस्पर्धी वैकल्पिक व्यापार प्रणाली के माध्यम से लाभकारी पारिश्रमिक मूल्य पर अपनी उपज बेच सकेगें। यह कानून विनियमित कृषि बाजारों को खोलने का एक अनूठा प्रयास है, जिससे एक राष्ट्र एक कृषि बाजार की नींव पड़ेगी एवं किसानों को इस कानून के अंतर्गत अपनी उपज की बिक्री के लिये कोई शुल्क देय नहीं होगी । नए कृषि कानूनों के साथ, भारतीय किसानों के पास भविष्य की तकनीक आसानी से पहुँचेगी, जो उत्पाद विपणन को बढ़ावा देगी। इस कानून के तहत कृषकों को उपज बेचने के लिये नये अवसर एवं बाजार उपलब्ध होंगे। ये नया कृषि कानून, कृषि के बुनियादी ढांचे का विकास कर सेवा अवसरों के माध्यम से सशक्तिकरण द्वारा क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सक्षम होगा। इस परिवर्तन से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी जो आत्मनिर्भर भारत की ओर एक अहम कदम होगा।

नववर्ष की शुभकामनाओं सहित ।

डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवायें

सम्मान/अवार्ड

उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ अखिलेश कुमार सांइटिस्ट आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित

तीन दिवसीय वर्चुअल राष्ट्रीय काफ्रेंन्स का आयोजन सोसाइटी आफ कृषि विज्ञान, पंजाब द्वारा दिनांक 26–28 सितम्बर 2020 को किया गया। इस कार्यक्रम में कृशि विज्ञान केन्द्र रीवा के पौध संरक्षण वैज्ञानिक डा0 अखिलेश कुमार को उनके उत्कृष्ठ कार्य के लिए सांइटिस्ट आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के स्थापना दिवस पर श्री चंद्रशेखर तिवारी कृषक फेलो सम्मान द्वारा सम्मानित

नरसिंहपुर के प्रगतिशील कृषक डॉ. चंद्रशेखर तिवारी ग्राम मंगोली विकासखंड गोटेगांव का कृषि के क्षेत्र में जिलें में फॉर्म मैकेनाइजेशन पर उत्कृष्ट कार्य

करने पर राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा कृषक फेलों सम्मान से विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस पर दिनांक 19.08. 2020 को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के कृषि कैबिनट मंत्री माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश के कृषि मंत्री माननीय श्री कमल पटैल, राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के माननीय कुलपति डॉ. एस. के. राव व देश के कृषि क्षेत्र से जुडे वैज्ञानिक एवं अधिकारी गण इस कार्यक्रम में जुडे रहें। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण केंद्र में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के.व्ही. सहारे, उप संचालक कृषि श्री राजेश त्रिपाठी, सहायक मृदा परिक्षण अधिकारी डॉ. आर. एन. पटैल कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. आसुतोष शर्मा, डॉ. एस. आर. शर्मा, डॉ निधि वर्मा एवं डॉ. विजय सिंह सूर्यवंशी की उपस्थित रहें।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का 57 वॉ स्थापना दिवस 2020 का आयोजन

57वाँ स्थापना दिवस का आयोजन दिनांक 1 अक्टूबर 2020 को वर्चुअल किया गया । यह आयोजन मुख्य अतिथि माननीय नरेन्द्र सिंह तोमर मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य में किया गया । इस अवसर पर कृषक फैलो सम्मान श्री शैलेन्द्र कौरव, श्री नरेन्द्र शामराव ठाकरे, श्री राव गुलाब सिंह लोधी, उत्कृष्ट आदिवासी महिला कृषक श्रीमती लक्ष्मी परते, श्रीमती कौशल मरकाम, श्रीति कोमल बाई को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया ।

डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता दलहन अनुसंधान संस्थान की राष्ट्रीय सलाहकार समिति की सदस्य मनोनीत

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. .ओम गुप्ता को तीन वर्ष के लिये भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर की अनुसंधान राष्ट्रीय सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है । 10 सदस्यीय समिति में वे एक मात्र महिला सदस्य है ।

बालाघाट के कृषक राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित

कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव, बालाघाट में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का 92 वां स्थापना दिवस पर कार्यक्रम 16 जुलाई 2020 को ऑनलाईन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा फेसबुक लाईव,

वेबकास्ट एवं यूट्यूब के माध्यम से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कृषि मंत्री माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, श्री पुरूषोत्तम रूपाला केन्द्र कृषि राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री एवं डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के विशिष्ट आतित्थ में सम्पन्न हुआ। (स्थापना दिवस के अवसर बालाघाट जिले के दो कृषकों श्री जियालाल राहंगडाले एवं श्री विशाल कटरे को कृषक श्रेणी में जोनल पुरस्कार प्रदाय किये जाने की घोषणा की गयी।) केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अटारी संचालक डॉ. अनुपम मिश्रा एवं संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर श्रीमती डॉ. ओम गुप्ता का समय–समय पर विशिष्ट मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

गरीब कल्याण रोजगार अभियान :–

गरीब कल्याण रोजगार अभियान योजना के अंतर्गत प्रवासी श्रमिकों के जीविकोपार्जन हेतु जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मिशन मोड में कार्यक्रम का संचालन गांवों में लौटे प्रवासी कामगार श्रमिकों के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 20 जून 2020 को गरीब कल्याण रोजगार की शुरूआत की गइ। योजना 16 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से संचालित हो चुकी है प्रत्येक केन्द्र को 16 ट्रेनिंग का लक्ष्य दिया गया कुल मिलाकर 226 ट्रेनिंग का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। प्रति ट्रेनिंग 35 प्रवासी मजदूरों को रखा गया, जिसमें विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रशिक्षण में 7980 प्रवासी श्रमिकों ने व्यवहारिक व प्रायोगिक रूप से वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया तथा साथ ही 642 श्रमिकों ने विभाग से संपर्क कर ऋण प्राप्ति हेतु आवेदन कर दिया है तथा 56 श्रमिकों द्वारा व्यवसाय की शुरूआत की जा चुकी है ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की 27वीं क्षेत्रीय कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन :–

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अटारी जोन–9 के अतंर्गत आयोजित कृषि विज्ञान केन्दों की 27वीं क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27–31 जुलाई 2020 को ऑनलाइन किया गया, जिसमें जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजामाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं कामधेनू पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, रायपुर के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा विगत वर्ष में किये गये कार्यों की समीक्षा एवं आगामी वर्ष की रूपरेखा प्रस्तुत की गई ।

डाक्युमेंट्री फिल्म का ऑनलाइन विमोचन :–

संचालनालय विस्तार सेवायें, कृषि विज्ञान केन्द्र हरदा के सौजन्य से डाक्यूमेंट्री फिल्म लॉकडाउन के दौरान ग्रीष्म कालीन मूंग के अभूतपूर्व उत्पादन विषय पर तैयार की गई । इसका ऑनलाइन विमोचन माननीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर कृषि एवं किसान कल्याण भारत सरकार द्वारा दिनांक 29 जुलाई 2020 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अटारी जोन 9 के अंतर्गत आयोजित कृषि विज्ञान केन्द्रों की 27वीं कार्यमाला के अवसर पर किया गया।

आकाशवाणी वार्ता :–

कृषि ज्ञान वाणी प्रसार केन्द्र के माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय से खेतो तक कार्यक्रम के अंतर्गत आकाशवाणी की 18 वार्ताओं की रिकार्डिंग की गई एवं किसानों के हितार्थ आकाशवाणी जबलपुर द्वारा प्रसारित किया गया।

कृषक जागरूकता सप्ताह :–

शासन के निर्देशानुसार एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता के मार्गद ान में दिनांक 12 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2020 तक कृषि विधेयक जागरूकता सप्ताह के रूप में जवाहरलाल नेहरू कृषि वि वविद्यालय के अधीनस्थ सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम के अंतर्गत कृषकों एवं जनप्रतिनिधियों को इस विधेयक की जानकारी प्रदान की गई एवं मंडी में कार्यरत कर्मचारियों को विधेयक के प्रावधानों से अवगत कराया गया । इस विधेयक के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद जारी रहेगी एवं उपज बेचने के तीन दिनों के भीतर भुगतान की व्यवस्था उचित मूल्य पर कृषकों को कृषि उत्पाद अपनी पसंद के स्थान पर बेचने की व्यवस्था है । जिससे क्रेताओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी । कृषि आदान विक्रेताओं, कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस विधेयक की प्रतियों उपलब्ध कराई गई ताकि पंचायत एवं ग्राम स्तर तक इस विधेयक की जानकारी किसानों, मजदूरों एवं व्यापारियों तक पहुंच सके।

सीड हब :–

सीड हब (भारत सरकार की परियोजना) के अंतर्गत 5 कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिंहपुर, टीकमगढ, दमोह, बैतूल, हरदा के माध्यम से 3981 क्वि. दलहनी फसलों के प्रमाणित बीज का उत्पादन किया गया ।

समूह अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में दलहन 650

हेक्टेयर, 2376 प्रदर्शन और तिलहन के 711 हेक्टेयर में 1777 प्रदर्शन आयोजित किये गये ।

पोषण माह अर्न्तराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन :–

पोषण माह के अर्न्तगत पांच दिवसीय अर्न्तराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन दिनांक 24 से 29 सितंबर, 2020 तक संचालनालय विस्तार सेवायें, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा किया गया । अतिथि व्याख्यान श्रृंखला में प्रो. (डॉ.) महावलेश्वर हेगड़े, संचालक सेंटर फॉर इनोवशन इन न्यूट्रीशन हेल्थ डिसीज, इन्टरेक्टिव रिसर्च फॉर हेल्थ अफेयर्स, भारती विद्यापीठ धानकवाड़ी पुणे, डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी, सह प्राध्यापक मो.ह. महिला गृहविज्ञान एवं विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर म.प्र. डॉ. साधना सिंह, विभागाध्यक्ष खाद्य एवं पोषण विभाग, आचार्य नरेंद्र देव, कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उत्तरप्रदेश, प्रो. (डॉ.) दीपा विनय, पूर्व विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान महाविद्यालय, गोविंद वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड, डॉ. आशुतोष सरकार, समन्वयक इकारडा साउथ एशिया क्षेत्रीय कार्यक्रम, नई दिल्ली एवं श्रीमती हर्षिता गुप्ता, लाइफ स्टाइल कंसलटेंट, शरजाह, यू.ए.ई. द्वारा पोषण, सूक्ष्म पोषक तत्व, बायोफोर्टिफाइड फसलें, जीवन के प्रथम 1000 दिवस एवं मूल्य सवंर्धित खाद्य पदार्थों के बारे में बताया ।

पोषण माह अन्तर्गत् कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा अनूठी पहल :–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर संचालनालय विस्तार सेवायें के अधीनस्थ 22 कृषि विज्ञान केन्दों में पोषण अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया । राष्ट्रीय पोषण माह पांच मुख्य बिंदुओं पर केन्द्रित था, प्रथम 1000 दिन बच्चों को पोषण मिले, अल्परक्तता से बचाव, स्वास्थय एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता तथा पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना । पोषण माह अन्तर्गत् लगभग 4400 लोग लाभांवित हुये जिसमें कृषक महिलायें, कृषक, किशोरी बालिकाएँ, ऑगन बाडी कार्यकर्ता पोषण बगिया, पोषण थाली, पौध रोपण विभिन्न प्रशिक्षणों, प्रदर्शनों, क्विज के माध्यम से सम्मिलित हुए ।

राष्ट्रीय महिला किसान दिवस आयोजित :–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालनालय विस्तार सेवायें के अधीनस्थ 22 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्मय से जिला स्तर पर माननीय कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन जी की सत्प्रेरणा ''राष्ट्रीय महिला किसान दिवस'' दिनांक 15 अक्टूबर 2020 को मनाया गया । प्रगतिशील महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से सम्मानित किया गया । कुल 46 गतिविधियां आयोजित की गई, जिसमें लगभग 1150 कृषक महिलायें एवं कृषक लाभान्वित हुये ।

प्रधानमंत्री जी का किसानों से संवाद :–

माननीय प्रधानमंत्री जी का किसानों से संवाद एवं पी.एम. किसान सम्मान निधि की किस्त जारी किये जाने का कार्यक्रम दिनांक 25.12.2020 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अधीनस्थ संचालित 22 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कुल 24,574 किसानों द्वारा पंजीकरण कराकर 2996 किसानों ने कृषि विज्ञान केन्द्रों में उपस्थित होकर सीधा प्रसारण देखा गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली में बाउंड्री वॉल एवं सड़क कार्य का भूमि पूजन :–

केन्द्र में दिनांक 17 दिसम्बर, 2020 को रू. चार करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली बाउंड्री वॉल एवं सड़क कार्य का भूमिपूजन माननीय सांसद सिंगरौली एवं विधायक सिंगरौली द्वारा सम्पन्न किया गया ।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठकों का आयोजन :–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधिनस्थ सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में खरीफ एवं रबी की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख द्वारा केन्द्र के कार्यों का विवरण एवं आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

बलराम जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का वितरण :–

केन्द्र में बलराम जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का सीधा प्रसारण राशि का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केन्द्रीय कृषि मंत्री, कृषि मंत्रालय भारत सरकार श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के उद्‌बोधन से प्रारम्भ हुआ। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17000 करोड़ राशि किसानों के खाते में सीधी वितरण की गई जिससे 8.50 करोड़ किसानों को लाभ हुआ हैं।

केन्द्र में राणा हनुमान सिंह जयंती पर बायोफ्लॉक इकाई का शुभारंभ :–

केन्द्र, में ऑनलाईन द्वारा श्रद्धेय श्री राणा हनुमान सिंह की जयंती पर बायोफ्लॉक मछली इकाई का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति माननीय डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, कृषि महाविद्यालय वारासिवनी के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. कौतू एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के 20 कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

किसानों को फेरोमेन ट्रेप का वितरण किया गया :–

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर. एल. राऊत के मार्गदर्शन में दिनांक 19.10.2020 को लालबर्रा ग्राम मोहगांव में किसानों को बेगन एवं टमाटर की फसल के लिए फेरोमेन ट्रेप का वितरण किया गया। फेरोमेन ट्रेप से यह पता चलता हैं, कि सब्जियों में कीट लगने का किसानों को जानकारी मिलती हैं, जिससे किसान अपनी सब्जियों में उचित प्रबंधन करके कीटों के प्रकोप से अपनी फसल को बचा सकतें हैं।

कृषि शिक्षा दिवस पर ऑनलाईन बेबिनार का आयोजन :–

दिनांक 03.12.2020 को केन्द्र, द्वारा कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर ऑनलाईन वेबिनार का आयोजन केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत

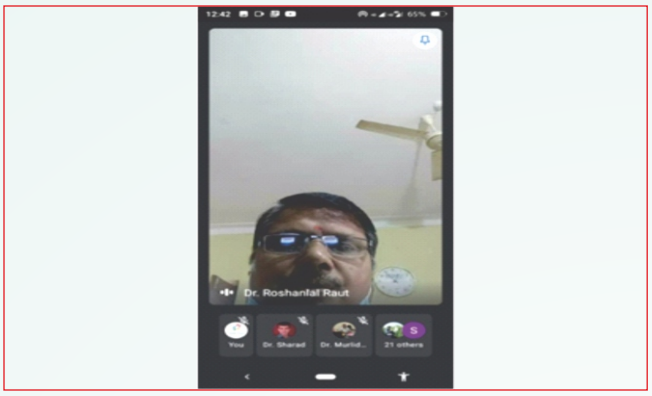

के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में जिले के कृषि शिक्षा से जुड़ें छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की, इस हेतु केन्द्रीय विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, नवोदय विद्यालय, आदि के छात्र सम्मिलित हुयें। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.के. जाटव द्वारा कृषि शिक्षा के लिये छात्र–छात्रायें क्या–क्या पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं एवं उनके लिये आवश्यक योग्यतायें क्या होनी चाहिए आदि विषयों पर जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय मुरझड़ के सहायक प्राध्यापक डॉ. शरद बिसेन द्वारा रोजगार की सम्भावनायें, छात्र–छात्राओं में व्यक्तिव विकास, योजना निर्माण, निर्णय लेने की क्षमता विकास, आदि विषयों पर विस्तार से बताया।

किसान दिवस एवं स्वच्छता पखवाड़ा पर कार्यक्रम का आयोजन :–

दिनांक 23.12.2020 को केन्द्र एवं कॉमन सर्विसेस सेन्टर, बालाघाट के संयुक्त तत्वाधान में

किसान दिवस का आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत के मार्गदर्शन में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉमन सर्विसेस सेन्टर, बालाघाट के जिला प्रबंधक श्री सुधीर कुमार तेलकर एवं सतेन्द्र बिसेन उपस्थित रहें। केन्द्र के प्रमुख डॉ. राऊत ने किसान दिवस पर किसानों को संबोधित करते हुये कहां कि किसानों के खेती में उपयोग आने वाली नई तकनीकों का उपयोग कैसे करें जिससे किसानों की आय में वृद्धि की जा सके साथ ही बालाघाट में उद्यानिकी फसलों का उपयोग किया जाए जिससे किसान लाभ ले सकें।

माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

अवसर पर पोषण अभियान, स्वच्छता अभियान, गरीब कल्याण रोजगार अभियान एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन :–

केन्द्र में दिनांक 17 सितम्बर 2020 को माननीय प्रधानमंत्री जी जन्मदिवस के अवसर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण अभियान 2020 का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री सुधाकर पंवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न ग्रामों की महिलाओं ने भाग लिया। इसके अंतर्गत महिलाओं को गृह वाटिका बीज पैकेट का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित महिलाओं द्वारा पोषण से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

गरीब कल्याण रोजगार अभियान अंतर्गत रोजगार सम्मेलन :–

केन्द्र में दिनांक 25.09.2020 को रोजगार सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्र द्वारा विगत दो माह से सतत् गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अंतर्गत कोविड–19 के कारण विस्थापित हुए गरीब ग्रामीणों के लिए कृषि आधारित रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये गये थे। केन्द्र प्रमुख ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत प्रवासी मजदूरों हेतु 3 दिवसीय, 16 प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें कुल 560 प्रशिक्षणार्थियों ने कृषि आधारित विभिन्न रोजगारोन्मुखी विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन प्रशिक्षणों के अंतर्गत मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी, एकीकृत कृषि प्रणाली, अजोला एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक, मुर्गीपालन, बकरीपालन, फार्म मशीनरी मेंटेनेंस व कस्टम हायरिंग सेंटर आदि विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

बकरियों की उन्नत नस्ल की केन्द्र पर उपलब्धता :–

केन्द्र में इन दिनों बकरियों की उन्नत नस्ल ''सिरोही'' जिले में बकरियों की नस्ल सुधार कार्यक्रम हेतु लाई गई है। यह द्वि–उद्देश्यीय नस्ल है। नस्ल की बकरियां 1–1.5 लीटर दूध प्रतिदिन तो देती ही है, साथ ही इसका वजन काफी होता है। अतः यह नस्ल दूध एवं मांस दोनों के लिए उपयोगी है।

किसान महिला दिवस का आयोजन :–

केन्द्र द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर 2020 को किसान महिला दिवस का आयोजन ग्राम बयावाड़ी में किया गया, इस कार्यक्रम में महिलाओं की कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। साथ ही महिलाओं को अधिक आमदनी हेतु खेती के साथ–साथ अन्य व्यवसाय जैसे खाद्य प्रसंस्करण, मशरूम उत्पादन, नर्सरी, मुर्गीपालन आदि को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं को पोषण सुरक्षा हेतु पोषण वाटिका की महत्ता बताई, साथ ही सब्जी बीज का वितरण किया गया।

कृषक जागरूकता सप्ताह का आयोजन :–

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. व्ही.के. वर्मा के मार्गदर्शन में 12 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2020 तक कृषि विधेयक जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाया गया, सर्वप्रथम केन्द्र द्वारा किसान मोबाइल संदेश के माध्यम से किसानों को अपना कृषि उत्पाद अपनी पसंद के स्थान पर बेचने एवं खरीददारों की संख्या बढ़ाने और

अच्छे दाम मिलने से संबंधित जानकारी 67582 पंजीकृत कृषकों तक पहुंचाई गई। साथ ही विभिन्न व्हाट्सएप्प ग्रुपों के माध्यम से लगभग 1000 किसानों को वन नेशन, वन मार्केट की अवधारणा से अवगत कराया। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. संजीव वर्मा, श्री आर.डी. बारपेटे, श्रीमती रिया ठाकुर एवं इंजी. कुमार सोनी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

मृदा स्वास्थ्य दिवस :–

केन्द्र द्वारा दिनांक 05.12.2020 को मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित संस्था के वैज्ञानिकों के साथ–साथ मुख्य अतिथि कृषि विभाग के सहायक संचालक द्वारा मृदा स्वास्थय के बारे में बताया गया कि फसलों में अनुसंशित उर्वरक मात्रा का प्रयोग मिट्टी परीक्षण परिणाम के आधार पर करने की सलाह दी एवं बताया कि यदि मृदा स्वस्थ हो तो 25–30 प्रतिशत फसल उत्पादकता में वृद्धि एवं 20–25 प्रतिशत उपलब्ध संसाधन के उपयोग क्षमता में वृद्धि संभावित है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन :–

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत केन्द्र द्वारा समूह दलहन एवं तिलहन फसल में प्रदर्शित तकनीक का अवलोकन दिनांक 29.12.2020 को डॉ. ए.के. शिवहरे, सहायक संचालक, दलहन विकास निदेशालय, भोपाल द्वारा कृषक प्रक्षेत्र पर चने की उन्नतशील प्रजाति जे.जी.12 एवं सरसों की उन्नतशील प्रजाति पी. एम.–30 के साथ उत्पादन की उन्नत तकनीक का

अवलोकन किया गया, जिसमें समूह दलहन का प्रदर्शन ग्राम पहाडी हीराजू, विकासखण्ड राजनगर, जिला छतरपुर के सांसद आदर्श ग्राम में प्रदर्शित तकनीक के निरीक्षण के दौरान कृषकों द्वारा उपयोग की हुई तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

नीकरा (NICRA) :-

भारत सरकार की परियोजना जलवायु समुत्थानशील कृषि पर राष्ट्रीय पहल के अंतर्गत गोद लिये गये ग्राम सिंगरावनकलां के ग्राम पंचायत में पशु स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का जिले के पशु चिकित्सक के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत गांव में उपस्थित 40 किसानों की 28 गाय, 37 भैंसे, 09 बछड़े एवं 38 बकरियों का उपचार किया, जिसमें टीकाकरण, कृत्रिम गर्भ धारण, डीवर्मिंग एवं पशुओं में उत्पन्न विभिन्न बीमारियों का उपचार किया गया।

फार्म बिल :–

केन्द्र द्वारा कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश 2020 लाभकारी मूल्य पर किसानों की उपज की बिक्री–खरीद की पसंद की स्वतंत्रता पर विस्तार से कृषकों को विभिन्न संगोष्ठी एवं

बेविनार के माध्यम से अवगत कराया गया। साथ ही साथ मंडियों के भौतिक परिसर के बाहर कुशल पारदर्शी और बाधामुक्त राज्य के अन्दर और अन्तर्राज्यी व्यापार तथा एम.एस.पी. आदि विषयों पर कृषकों की शंकाओं का समाधान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक :–

10 जुलाई 2020 को केंद्र द्वारा गूगल मीट एप्प के माध्यम से, वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया। बैठक में जनेकृविवि जबलपुर से संचालक विस्तार सेवाये डॉ ओम गुप्ता,संयुक्त संचालक, डॉ दिनकर शर्मा, डॉ टी आर शर्मा तथा केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ सुरेंद्र कुमार पन्नासे तथा केंद्र के सभी वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया । उन्नतशील किसान और जिले के लाइन डिपार्टमेंट के अधिकारियों के सुझाव के अनुसार कार्य योजना तैयार की गई।

गरीब कल्याण रोजगार अभियान :–

जुलाई से अगस्त 2020 में जिले के सभी विकास खंडो के विभिन्न ग्रामो में गरीब कल्याण

रोजगार अभियान अंतर्गत विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षणो का आयोजन प्रवासी मजदूरों के लिए किया गया । जिसके संयोजक डॉ पी. एल. अम्बुलकर एवं सुरेंद्र कुमार पन्नासे वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में संपन्न हुए।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का 57 वां स्थापना दिवस :–

1 अक्टूबर 2020 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का 57 वां स्थापना दिवस मनाया गया वेब कास्ट के माध्यम से किसानो एवं कृषि वैज्ञानिको ने देखा एवं सुना । विश्व विद्यालय से निकलने वाले छात्र जो बड़े –बड़े पदों पर विद्यमान है उन्हें जवाहर रत्न के नाम से नवाजा गया। केंद्र द्वारा तकनीक प्राप्त कृषक श्री नरेंद्र श्यामराव ठाकरे विकास खंड पांढुर्ना को जैविक संतरा उत्पादन एवं संरक्षित बागबानी के क्षेत्र में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा पुरस्कृत कृषक का भी केंद्र द्वारा सम्मान किया।

16 अक्टूबर 2020 को विश्व खाद्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन :–

केंद्र प्रथम व द्वितीय द्वारा 75 वे विश्व खाद्य

दिवस कार्यक्रम का आयोजन 16 अक्टूबर 2020 को डॉ. पी.के मिश्रा, संचालक अनुसन्धान सेवाएं जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ । केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवम् प्रमुख डा. सुरेन्द्र पन्नासे के मार्गदर्शन मे तामिया विकासखंड के ग्राम चिमटीपुर में भारिया जनजाति के विलुप्त हो रहे व्यंजनों की प्रदर्शनी सह मेला कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के साथ मनाया गया। माननीय प्रधान मंत्री जी का कार्यक्रम लाइव कृषक महिलाओं को दिखाया गया । वैज्ञानिक डा. डी सी श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं को पोषण आहार के विषय मे जानकारी दी कि किस तरह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मे कोदो कुटकी की उन्नत किस्मो का प्रयोग करके भोजन मे पौष्टिक तत्वो की गुणवत्ता को और भी बढाया जा सकता है ।

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन :–

भारत सरकार के निर्देशानुसार केन्द्र में दिनांक 16 से 31 दिसम्बर 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों जैसे स्वच्छता हेतु शपथ, अपने कार्यालय की स्वच्छता, गोद लिये ग्रामों में सफाई, गीले सूखे कचरे का उचित प्रबंधन, इत्यादि किया गया। इस पखवाड़े में किसानों, ग्रामीण युवकों, महिला कृषक के साथ साथ शहर के गणमान्य नागरिकों व प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भी सहभागी बनाया गया । इस पखवाड़े में केन्द्र के डॉ. एस. डी. सावरकर, श्री पी. एल. अंबुलकर, डॉ. डी.सी. श्रीवास्तव, डॉ. आर. के. झाड़े, डॉ. (श्रीमति) सरिता सिंह, श्री नितेश गुप्ता, डॉ. एस. के. अहिरवार, श्री सुंदरलाल अलावा एवं श्रीमति चंचल भार्गव ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

सीड हब कार्यक्रम :–

केंद्र द्वारा खरीफ 2020 में उड़द फसल (किस्म प्रताप उ़र्द–1) का कार्यक्रम 60 हेक्टयर क्षेत्रफल में लिया गया है। जिसका उत्पादन 300 क्विंटल रहा। रबी 2020 में चने की उन्नत किस्म जे.जी. 12 का 100 एकड़ क्षेत्रफल में बीज उत्पादन कार्यक्रम सेटेलाइट ग्राम जोरतला में किया गया।

जिला कृषि मौसम इकाई / ग्रामीण कृषि मौसम सेवा :–

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के संयुक्त प्रयास से केंद्र पर जिला कृशि मौसम इकाई अन्तर्गत तहसील स्तर पर मौसम आधारित कृषि आधारित प्रति सप्ताह दो (जुलाई से दिसम्बर 2020 तक कुल 48)सलाहकार सेवायें प्रदाय की की गई।

डायग्नोस्टिक भ्रमण :–

कृषकों के खेतों पर केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा जुलाई से सितम्बर 2020 के मध्य दमोह जिले के विभिन्न ग्रामों में लगभग 17 डायग्नोस्टिक भ्रमण कर लगभग 388 कृषकों की खेती सबंधित समस्याओं का समाधान कलेक्टर महोदय एवं उपसंचालक कृषि के साथ किया गया।

विश्व मृदा दिवस :–

दिनांक 05 दिसम्बर 2020 को केंद्र द्वारा विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत

मृदा के स्वास्थ्य संबधी विस्तृत जानकारी कृषकों को प्रदान की गई एवं कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में 46 कृषकों की भागीदारी रही।

किसान सम्मान निधि राशि वितरण कार्यक्रमः–

दिनांक 25.12.2020 को किसान सम्मान निधि राशि वितरण कार्यक्रम कार्यक्रम के उपलक्ष पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण केंद्र में किया गया। इस कार्यक्रम हेतु दमोह जिले के 1139 कृषकों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया गया एवं 158 कृषकों द्वारा केंद्र पर कार्यक्रम का प्रसारण का लाभ लिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डोरी

कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन :–

दिनांक 03.12.2020 को केन्द्र के द्वारा शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, धनुआ सागर में कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधान अध्यापक एवं अन्य सहायक अध्यापकों के साथ बृहद संख्या में छात्र एवं

छात्राएं सम्मिलित हुए । कार्यक्रम का आयोजन कृषि विस्तार वैज्ञानिक श्रीमती गीता सिंह के नेतृत्व में हुआ । कृषि शिक्षा का उद्देश्य व महत्व एवं कृषि के रोजगार के अवसर पर विस्तृत जानकारी दी गई । तकनीकी अधिकारी श्री डी.पी. सिंह द्वारा कृषि व पशु शिक्षा से संबंधित विभिन्न व्यवसाय जैसे पशुपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन एवं सूकर पालन की जानकारी दी गई। कार्यक्रम सहायक कुमारी श्वेता मसराम द्वारा कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया समझाई गई।

कृषक दिवस :–

केन्द्र द्वारा ग्राम धनरास विकासखंड करंजिया में दिनांक 23.12.2020 को कृषक दिवस के अवसर पर कृषक संगोष्ठी सह स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया । कृषि विस्तार वैज्ञानिक श्रीमती गीता सिंह द्वारा कृषक दिवस के अवसर पर कृषकों के अभिन्नदन उपरांत कृषकों की रबी की फसलों में आ रही समस्याओं का समाधान किया गया । स्वच्छता कार्यक्रम अंतर्गत तकनीकी अधिकारी श्रीमती रेनू पाठक ने कृषकों को अपने घर के आसपास एवं गांव में सफाई के महत्व को बताया एवम् शुद्ध भोजन एवं शुद्ध पानी के उपयोग हेतु विस्तृत जानकारी दी । समूह प्रदर्शन अंतर्गत सम्मिलित कृषकों के प्रक्षेत्र का भ्रमण भी किया गया । कार्यक्रम में लगभग 50 कृषक एवं कृषक महिला सम्मिलित हुए ।

समीक्षा बैठक संपन्न :–

केन्द्र में दिनांक 27.12.2020 को प्रभारी श्रीमती गीता सिंह के नेतृत्व में निर्देशक अटारी डॉ. एस.आर.के सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न हुई । सर्वप्रथम डॉ. एस.आर.के. सिंह ने समस्त तकनीकी स्टाफ की प्रगति व किए जा रहे कार्यों का विश्लेषण

किया । उसके उपरांत केन्द्र में संचालित विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया और आवश्यक सुधार हेतु सुझाव दिए । गेहूं, चना, अलसी, मिर्च, बैंगन, टमाटर, गांठ गोभी, पत्ता गोभी आदि विभिन्न फसलों पर फसल संग्रहालय लगाया जाता है, इसी प्रकार केंचुआ खाद, अजोला उत्पादन, मुर्गी पालन, चारा उत्पादन, मछली पालन, समन्वित कृषि प्रणाली आदि सभी इकाइयां माननीय निदेशक द्वारा देखी गई । केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा उपरांत उन्होंने कार्य की गुणवत्ता को सराहा । समीक्षा बैठक में केन्द्र की वैज्ञानिक कृषि विस्तार श्रीमती गीता सिंह, डॉ. सत्येंद्र कुमार, वैज्ञानिक मत्स्य पालन तकनीकी अधिकारी, श्रीमती रेनू पाठक व डी.पी. सिंह, पशु पालन श्री अवधेश कुमार पटेल, कार्यक्रम सहायक उद्यानिकी एवं श्री के.पी. तिवारी उपस्थित थे ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

उपभोक्ता जागरूकता दिवस का आयोजन :–

दिनांक 24 दिसम्बर 2020 को उपभोक्ता जागरूकता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया हुआ । इसमें केन्द्र के वैज्ञानिकों ने कृषक महिलाओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, उपभोक्ता के अधिकार, उपभोक्ता शिकायत कैसे और कहां दर्ज करायें इसकी विस्तृत जानकारी तथा खाद्य वस्तुओं एवं दवाइयों को खरीदते समय निर्माण तिथि, उपयोग अवधि, मात्रा मूल्य, निर्माण हेतु उपयोग में लायी गयी सामग्री आदि से परिचित कराया गया। गारंटी, वारंटी आईएसआई मार्क आदि के बारे में समझाया गया । इस दौरान पोस्टर एवं वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को रोचक जानकारी प्रदान की गई।

जैविक फसल उत्पादन प्रदर्शनी का आयोजन :–

दिनांक 29 दिसम्बर 2020 को ज0ने0कृ0वि0वि0 के कृषि महाविद्यालय पवारखेड़ा में आयोजित जैविक कृषि संगोष्ठी में केन्द्र द्वारा जैविक फसलों एवं फसल उत्पादन की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में म0प्र0 की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनन्दी बेन पटेल, म0प्र0 भासन के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री माननीय श्री कमल पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कुशल पटेल, होशंगाबाद विधायम मा0 श्री सीतासरन शर्मा, ज0ने0कृ0वि0वि0 के कुलपति माननीय डॉ. पी. के. बिसेन, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ पी के मिश्रा, संयुक्त संचालक विस्तार सेवायें डॉ दिनकर शर्मा, संचालक प्रक्षेत्र डॉ डी के पहलवान, केन्द्र प्रमुख डॉ आर सी शर्मा उपस्थित थे केन्द्र द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में जैविक खेती के विभिन्न उत्पादों जैसे संतरा, लौकी, शकरकंद, बल्लर, बैंगन, मिर्च , जैविक काला गेहूँ से निर्मित बिस्टिक, दलिया, गेहूं, मूंग आदि की जानकारी कृषकों को दी गई।

हरदा जिले में सुशासन रथ का संचालन :–

किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग हरदा द्वारा दिनांक 25 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2020 तक जिले में सुशासन रथ का संचालन किया गया। जिसमें केन्द के वैज्ञानिक डॉ ए के तिवारी, डॉ सर्वेश कुमार एवं श्री आर सी जाटव ने प्रतिदिन 10 पंचायतों में सम्पन्न कृषक संगोष्ठी में कृषकों को कृषि बिल 2020 की जानकारी दी एवं जिले में वर्तमान रबी फसलों चना, मटर, मसूर, गेहूं, सरसों, आदि में समसामायिक तकनीकी जानकारी कृषकों को उपलब्ध करायी। इस कार्यक्रम में जिले के तीनों विकासखण्डों में प्रतिदिन किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रतिदिन 250 से 300 कृषकों को तकनीकी ज्ञान एवं समसामायिक तकनीकी और फसल सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान की गयी। एक सप्ताह तक चले इस कार्यक्रम से लगभग 2000 से 2500 कृषक लाभान्वित हुए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

15वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक सम्पन्न :–

केन्द्र की 15वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 15 जुलाई 2020 को सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संयुक्त संचालक विस्तार ज.ने.कृ.वि.वि. द्वारा की गई। बैठक का आयोजन ऑन लाइन व आफ लाइन दोनों तरह से आयोजित की गई। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा 14वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति में की गई अनुसंशाओं के परिपालन का प्रतिवेदन एवं गत 6 माह की प्रगति से अवगत कराया एवं आगामी खरीफ 2020 में किये जाने वाले प्रदर्शनों, प्रशिक्षणों एवं प्रक्षेत्र परीक्षणों के विषय में विस्तार पूर्वक बताया, कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. टी.आर. शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. हरीश दीक्षित, डॉ. संजय वैशंम्पायन, डॉ. शेखर सिंह बघेल एवं केन्द्र के समस्त वैज्ञानिक उपस्थित रहे तथा अटारी आई.सी.ए.आर. के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.आर.के. सिंह, कृषि अभियांत्रिकी विभाग के श्री व्ही.व्ही. मौर्या, कृषि महाविद्यालय जबलपुर के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. द्विवेदी मृदा विज्ञान विभाग, डॉ. ए.के. भौमिक कीटशास्त्र विभाग एवं म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रबंधक श्री डी.पी. तिवारी सहित महिला उद्यमी श्रीमती रूचि भसीन, प्रगतिशील श्री रामसिंह, श्री सोनू उपाध्याय एवं अन्य कृषक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गाजरघास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह का आयोजन :–

दिनांक 16 से 22 अगस्त 2020 के दौरान खरपतवार निदेशालय के सहयोग से गाजरघास उन्मूलन सप्ताह का आयोजन किया गया इस दौरान केन्द्र परिसर में गाजरघास उन्मूलन, गाजरघास जागरूकता कार्यक्रम आदि के बारे में कृषकों को ऑन लाइन व ऑफ लाइन माध्यमों से जागरूक किया गया, दिनांक 22 अगस्त 2020 को संचालनालय खरपतवार निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार मुख्य वक्ता के रूप में केन्द्र द्वारा कृषकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों हेतु आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्र के वैज्ञानिक सहित कृषकगण व कृषि विस्तार के अधिकारी उपस्थित रहे तथा गाजरघास नियंत्रण संबंधित समस्याओं की जानकारी प्राप्त की।

सेवा दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम :–

केन्द्र द्वारा 17 सितम्बर 2020 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जन्मदिवस के अवसर को ''सेवा दिवस'' के रूप में मनाया गया इस अवसर पर कृषक संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण का आयोजन केन्द्र परिसर में आयोजित किया गया तथा आस–पास सफाई भी की गई, केन्द्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. यतिराज खरे के नेतृत्व में 100 पौधों का रोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. भौमिक तथा विशिष्ट अतिथि इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर. एस. तिवारी, क्षेत्रीय अधिकारी श्री राजेश मिश्रा सहित केन्द्र के वैज्ञानिक, कृषक व कृषक महिलायें उपस्थित रही। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं को पोषक वाटिका हेतु इफको द्वारा प्रदाय बीज किट का वितरण किया गया।

पोषण माह का आयोजन :–

दिनांक 01 से 30 सितम्बर 2020 तक केन्द्र द्वारा पोषण माह का आयोजन किया गया इस अवसर पर केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. नीलू विश्वकर्मा एवं डॉ. पूजा चतुर्वेदी द्वारा कृषक महिलाओं व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं हेतु ऑनलाइन व ऑफ लाइन प्रशिक्षण आयोजित किये गये तथा ऑनलाइन पोषण प्रतियोगिता सह प्रदर्शनी भी आयोजित करवाई गयी। डॉ. पूजा चतुर्वेदी द्वारा एनीमिया एवं डायरिया विषय पर प्रशिक्षण दिया साथ ही साथ केन्द्र पर दिनांक 17 सितम्बर 2020 को इफको व उद्यानिकी विभाग के सहयोग से पोषण वाटिका हेतु कृषक महिलाओं को सब्जियों के बीज किट प्रदान किये गये।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम वेबकास्टिंग का सीधा प्रसारण :–

माननीय कुलपति ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन की प्रेरणा तथा संचालक विस्तार सेवायें डॉ. धीरेन्द्र खरे एवं संयुक्त संचालक विस्तार प्रभारी डॉ. डी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 25 दिसम्बर 2020 को केन्द्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त वितरण कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाया गया जिसमें जिले के 158 किसानों ने भाग लेकर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा कही गई बातों को ध्यान से सुना। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति अलका गर्ग, जनप्रतिधि (महिला ग्रामीण प्रकोष्ठ अध्यक्ष, जबलपुर) ने किसानों को नये किसान बिलों के बारे में जानकारी दी। डॉ. रश्मि शुक्ला वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख केन्द्र ने किसानों को किसान सम्मान निधि के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम हेतु केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जिले के 1200 से अधिक अन्य किसानों को भी ऑन लाईन रजिस्ट्रेशन कराकर लिंक के माध्यम से जोड़ा गया था। कार्यक्रम के दौरान डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. यतिराज खरे, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. प्रमोद शर्मा, डॉ. पूजा चतुर्वेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बटन मशरूम इकाई का शुभारंभ :–

केन्द्र द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन विषय पर वर्ष 2019–20 में प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षणार्थी श्री अर्पित सराफ द्वारा, विकासखण्ड पाटन, ग्राम आरछा में वृहद स्तर पर बटन मशरूम इकाई की स्थापना भी की गई है

जिसका शुभारंभ संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता, संयुक्त संचालक डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रमुख प्रशिक्षक के रूप में डॉ. नीलू विश्वकर्मा, वैज्ञानिक द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी पर 20 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर अभियान से युवाओं को स्वरोजगार एवं आर्थिक उपाजन के अवसरों की स्थापना करना रहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

विश्व खाद्य दिवस :–

केंद्र में 16.10.2020 को डॉ ए के तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के निर्देशन में विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। केंद्र के वैज्ञानिको ने खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के 75 साल के अवसर पर पीएम के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा। इसके पश्चात अंगीकृत गांव लिंगरी में किसान संगोष्ठी आयोजित की गई । किसानो को बदलते समय के अनुसार भोजन की आदत, पौष्टिक भोजन और खाद्य पदार्थों को बचाने के बारे में वैज्ञानिको ने सलाह दी

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक :–

केंद्र में 10 नवंबर, 2020 को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवाएं और डॉ डी.पी. शर्मा, संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं के द्वारा की गई । बैठक में कटनी जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों उप संचालक कृषि, उप संचालक पशु चिकित्सा, महिला बाल विकास अधिकारी, प्रबंधक नाबार्ड और अन्य संबद्ध विभागों के प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे। वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख के द्वारा खरीफ 2020 की प्रगति प्रस्तुत की गई । इसके बाद बैठक में रबी 2020–21 का प्रस्तावित कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

फार्म बिल जागरूकता कार्यक्रम :–

केंद्र के माध्यम से नए कृषि बिल 2020 के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, गोष्ठी और वेबिनार आयोजित किये गए। व्हाट्सएप और केएमएस के माध्यम से विभिन्न संदेश और अन्य संबंधित जानकारी भी भेजें गए। केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को विधेयक के प्रावधानों और इसके लाभों के बारे में बताया एवं विधेयक के चार प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला जो किसान को केवल अपने खेत में या एपीएमसी में उपज बेचने में सक्षम बनाता है। फार्म बिल – 2020 जिसका उद्देश्य किसानों को सुरक्षा प्रदान करना और उनकी उपज के लिए पारिश्रमिक मूल्य सुनिश्चित करना है।

किसान महासम्मेलन :–

कटनी के कृषि उपज मंडी में 18.12.2020 को किसान महासम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारत के माननीय प्रधान मंत्री और माननीय मुख्यमंत्री ने किसानों को संबोधित किया। केंद्र, ने प्रदर्शनी में कृषि की उन्नत तकनीकी और सूचनाओं का प्रदर्शन किया । किसान महासम्मेलन के दौरान, लगभग 2,000 पशुपालकों और मछली किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए। लगभग 75 करोड़ रुपये की कृषि संरचनाओं का उद्घाटन कार्य जैसे गोदाम, किसान सुविधा केंद्र आदि का भूमि–पूजन भी किए गए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

बीजोपचार एवं धारवाड़ पद्वति से अरहर उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण :–

केंद्र के वरिश्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम के मार्गदर्शन में केंद्र के कार्यक्रम सहायक श्री नील कमल पन्द्रे एवं फाउंडेशन फॉर ईकोलॉजिकल सिक्युरिटी मंडला संस्था के श्री अनूप ठाकुर के साथ ग्राम खमरिया एवं समैया मे प्रवासीय 30–30 मजदूरो को आधा किलो अरहर का बीज का वितरण किया गय ा। सामग्री वितरण के दौरान कोरोना संक्रमण को देखते हुए कृषकों को मास्क प्रदाय किये गये तथा म.प्र. शासन व भारत सरकार के द्वारा जारी सुरक्षा एवं आपसी दूरी बनाये रखने के नियमों का पालन करते हुए अरहर की उन्नत उत्पादन तकनीकी पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया जिसमें विशेषकर बीजोपचार का तरीका इसके अलावा अरहर उत्पादन की धारवाड़ पद्वति को विस्तार से बताया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का स्थापना दिवस :–

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 92वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 16.07.2020 पर केंद्र में स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग से उप–संचालक श्री एस. एस. मरावी, श्री आर. डी. जाटव, मत्स्य पालन विभाग श्री हेमंत भगत, आत्मा परियोजना से श्री सलिल धगट, डॉ. आर. के. सिंह, नाबार्ड से श्री अखिलेश वर्मा, उद्यानिकी विभाग से श्री अभिनव बर्मन, आसा फाउंडेशन से श्री शरद मिश्रा, रिलाइंस फाउंडेशन से श्री दिनेश यादव, एक गांव टेक्नालॉजी से श्री सुरेन्द्र यादव, कान्हा फार्मर प्रोड्यूसर मण्डला से श्री रंजीत कछवाहा, डॉ. अनिल शुक्ला एवं केंद्र के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वेब कास्टिंग के माध्यम से परिशद् में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण केंद्र पर किया गया, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य आतिथि माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, श्री कैलाश चौधरी, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री के उद्बोधन को केंद्र पर उपस्थित सभी सदस्यों को ऑनलाइन सुनवाया गया।

गरीब कल्याण रोजगार अभियान अन्तर्गत जिले के 16 पंचायतो में रोजगार उन्मूलन प्रशिक्षण सम्पन्न :–

गरीब कल्याण के लिए रोजगार अभियान यह भारत सरकार को गरीब प्रवासी मजदूरों व प्रवासी कामागारों के लिए रोजगार उन्मूलक महत्वाकांक्षी

योजना है, जिसमें से मण्डला सहित 16 जिलों में 8960 प्रवासी मजदूरों व प्रवासी कामगारों के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. ओम गुप्ता के संरक्षण में प्रशिक्षण दिया जाना था जिले के केंद्र को कुल 16 प्रशिक्षण के अंतर्गत कुल 560 प्रवासी मजदूरो व कामगारो को रोजगार उन्मूलक प्रशिक्षण देने का लक्ष्य प्राप्त हुआ था।

कृषि आदान विक्रेताओं की देसी डिप्लोमा परीक्षा संपन्न :–

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान हैदराबाद द्वारा कृषि विकास आदान विक्रेताओ के कृषि तकनीकी ज्ञान मे वृद्वि हेतु एक वर्षीय डिप्लोमा (48 सप्ताह) का कार्यक्रम राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल (म.प्र.) जिले मे आत्मा परियोजना तथा कृषि विज्ञान केंद्रो द्वारा कार्यान्वित किया गया इसी तारतम्य मे केन्द्र द्वारा माननीय कुलपति महोदय एवं संचालक विस्तार सेवाऐं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर तथा राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल (म.प्र.) राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल (म.प्र.) के संचालक श्री जी.पी.प्रजापति एवं उपसंचालक श्री उत्तम सिंह जादोन के कुशल मार्गदर्शन मे 1 मार्च 2019 से प्राप्त किया गया, जिसमें 48 सप्ताह में जिले के कोर्स में पंजीकृत आदान विक्रेताओं को कृषि के सभी विषयों सस्य विज्ञान, पौध रोग, कीट, मृदा विज्ञान, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि मौसम विज्ञान, कृषि विस्तार आदि की विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रायोगिक सैध्दांतिक कक्षाओं द्वारा एवं प्रयोगिक ज्ञान प्रक्षेत्र भ्रमण जैसे गुलाब अग्रवाल मेमोरियल उद्यान कटंगी, अमित राइस इंड्रस्टीज कोरगांव, दुबे संकर सब्जी प्रक्षेत्र राज्य जैविक प्रक्षेत्र चिरईडोंगरी आदि में करवाया गया।

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस :–

केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ विशाल मेश्राम के मार्गदर्शन में केंद्र के वैज्ञानिक वैज्ञानिक डा. आर. पी. अहिरवार एवं एवं कार्यक्रम सहायक कु. केतकी धूमकेती द्वारा विश्व मृदा दिवस के अवसर पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन रिलाएंस फाउंडेशन मण्डला और केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम बेरटोला में कृषक संघोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे जिले के लगभग 78 किसानों ने कार्यक्रम का लाभ लिया और किसानो को मृदा स्वस्थ्य पत्रक भी बितरित किये गए। वि व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में डा. आर. पी. अहिरवार द्वारा मृदा स्वास्थ्य परीक्षण , मृदा क्षरण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

20 वी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति बैठक का आयोजन :–

केन्द्र की 20 वी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति

बैठक का आयोजन दिनांक 07.11.2020 को संचालक विस्तार सेवाऐ डा.श्रीमति ओम गुप्ता ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में डा. प्रमोद गुप्ता वैज्ञानिक, उपसंचालक कृषि श्री राजेश त्रिपाठी, डा.पी के शर्मा उपसंचालक, डा. आर. एस.शमा एवं डा.रमेश उमूले, की उपस्थिति रही। बैठक मे प्रगतिशील कृषक श्री सी एस तिवारी ,श्री राकेश दुवे, श्री राव गुलाब लोधी, श्री कृष्णपाल लोधी, श्री नीधेश मिश्रा, एवं श्री नीलेश पटैल उपस्थित रहे। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा.के.वी.सहारे के द्वारा वर्ष 2019–20 (रबी) की प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी वर्ष 2020–21 (रबी) के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। संचालक महोदया द्वारा केंद्र के प्रदर्शन इकाई जैसे वर्मी कंपोस्ट इकाई, पोषण वाटिका, सीडहब एवं फसल संग्रहालय का निरीक्षण किया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ एस. आर. शर्मा, डॉ आशुतोष शर्मा, श्रीमती निधि वर्मा एवं श्री विजय सिंह सूर्यवंशी की उपस्थिति रही।

महिला किसान दिवस :–

दिनांक 15.10.2020 को केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के. व्ही. सहारे के मार्गदर्शन में महिला किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपंसचालक कृषि श्री राजेश त्रिपाठी, सहायक मिट्टी परीक्षण अधिकारी डॉ. आर.एन. पटैल, उपंसचालक आत्मा परियोजना प्रभारी श्रीमति शिल्पी नेमा, कृषक प्रशिक्षण केन्द्र प्रभारी दीप्ति यादव एवं कृषि विभाग के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य कृषि के क्षेत्र में नवाचार (केचुआ उत्पादन) कर अन्य कृषकों से अलग पहचान कायम करने वाली महिला कृषकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में केन्द्र प्रमुख ने कृषि में महिलाओं का बराबरी का योगदान पर जानकारी देते हुये बताया कि प्राचीनकाल से ही कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की बुआई, कटाई एवं निदाई सभी कार्यो में सक्रिय भागीदारी एवं कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यक्रम में श्रीमति निधि वर्मा, श्री विजय सिंह सूर्यवंशी एवं 23 महिला कृषकों एवं अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

किसान विधेयक बिल जागरूकता सप्ताह का आयोजन :–

केन्द्र द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के. व्ही. सहारे के मार्गदर्शन में किसानों के लिए लाभकारी एवं उनके हितों का संरक्षण माना जाने वाले कृषि विधेयक बिल जागरूकता सप्ताह का आयोजन 12–17 अक्टूबर तक किया गया। कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जागरूकता अभियान के तहत किसान मोबाईल संदेश के माध्यम से 32250 कृषकों को जागरूक किया गया। वैज्ञानिकों की उपस्थिति में ग्राम बधुवार, पहाडीखेडा, भामा व सिवनी बंधा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2019 की दावा राशि का वितरण एवं मुख्यमंत्री जी का संबोधन दिनांक 18.9.2020 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2019 की दावा राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से किसानों के खातों में अंतरण तथा माननीय मुख्यमंत्री जी का बेवकास्टिंग के माध्यम से उज्जैन

जिले से सीधा प्रसारण व कृषकों से संवाद का प्रसारण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह जी, कैबिनेट मंत्री खनिज साधन एवं श्रम विभाग म0प्र0 शासन ने अपने संबोधन में कृषि योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु तथा फसल बीमा का प्रचार प्रसार कर अधिक से अधिक कृषकों को बीमा कराने की बात कही साथ ही मैदानी स्तर पर योजनाओं का सही क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिये। माननीय कलेक्टर महोदय श्री संजय मिश्रा ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारे जिले के 155 किसानों के खातें में फसल बीमा योजना की दावा राशि का स्थानांतरण किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामों से आये 105 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में श्री रविराज सिंह यादव अध्यक्ष जिला पंचायत, श्री रामबिहारी चौरसिया अध्यक्ष भाजपा, श्री जयप्रकाश चतुर्वेदी, श्री सतानंद गौतम, श्री बाबूलाल यादव, मोहन कुशवाहा, श्री सुशील त्रिपाठी आदि जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत केंचुआ खाद उत्पादन हेतु बर्मीबेड़ तथा पोषण वाटिका हेतु सब्जी मिनी किट का वितरण किया गया ।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं हेतु गृह वाटिका स्थापना तथा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम :–

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत केन्द्र द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं हेतु गृह वाटिका स्थापना तथा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 24 सितम्बर को केन्द्र पर आयोजित किया गया। डॉ0 आशीष कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने गृह वाटिका की स्थापना और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी । डॉ0 आर0के0 जायसवाल ने मशरूम के पोषकीय महत्व तथा

कुपोषण दूर करने में मशरूम की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ0 आर0पी0 सिंह ने मुनगा के उपयोग पर जानकारी दी। श्री रितेश बागोरा, श्री डी0पी0 सिंह, श्री देशराज प्रजापति, श्रीमती जया कोरी ने आगंनवाडी कार्यकर्ताओं को केन्द्र पर स्थापित पोषक गृह वाटिका तथा मशरूम उत्पादन इकाई का भ्रमण कराया गया। इफको एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदत्त सब्जी की मिनी किट का वितरण किया गया जिससे आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पोषक गृह वाटिका की स्थापना की जा सके।

गरीब कल्याण रोजगार योजना अंतर्गत प्रशिक्षणों का आयोजन :–

भारत सरकार की गरीब कल्याण रोजगार योजना अंतर्गत प्रवासी श्रमिकों हेतु विभिन्न विषयों पर कुल 16 रोजगार मूलक प्रशिक्षणों का आयोजन केन्द्र द्वारा माह जुलाई–सितम्बर 2020 के मध्य किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र के प्रभारी डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी द्वारा दलहनी फसलों के मूल्य संवर्द्धन पर, डॉ. आर.के. जायसवाल द्वारा मशरूम उत्पादन एवं अजोला की खेती, डॉ. आर.पी. सिंह द्वारा नर्सरी प्रबंधन एवं श्री रितेश बागोरा द्वारा वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन पर प्रवासी

श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गरीब कल्याण रोजगार योजना अंतर्गत पन्ना जिले के कुल 560 प्रवासी श्रमिकों को रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रदान किये गये।

आत्म निर्भर मध्यप्रदेश अंतर्गत उद्यानिकी बेवीनार का आयोजन :–

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित आत्म निर्भर मध्यप्रदेश अंतर्गत उद्यानिकी बेवीनार का आयोजन दिनांक 29.08.2020 को ऑनआईन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में माननीय श्री भरत सिंह कुशवाहा मंत्री उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण ने उद्यानिकी फसलों और उनके प्रसंस्करण से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का आव्हान किया। श्री पुस्कर सिंह आयुक्त सह संचालक उद्यानिकी विभाग मध्यप्रदेश ने बेवीनार के उद्देश्य तथा उद्यानिकी फसलों का आत्म निर्भर मध्यप्रदेश एवं कृषकों की आय दुगनी करने के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में केन्द्र के वैज्ञानिकों डॉ0 आशीष त्रिपाठी, डॉ. आर.पी. सिंह, श्री रितेश बागोरा, डॉ. आर. के. जायसवाल, श्री डी.पी. सिंह ने समसामयिक विषयों पर जानकारी दी तथा कृषि विज्ञान केन्द्र में उपस्थित विभिन्न ईकाईयों मशरूम की खेती, अदरक बीजोत्पादन, वर्मीकम्पोस्ट, अमरूद की सघन बागवानी, किचिन गार्डन, आदि का भ्रमण कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्यानिकी अधिकारी श्री बी.एस. त्रिपाठी, श्री आर.टी. त्रिपाठी, संजीत बागरी, धर्मेन्द्र सिंह, जे.पी. बौद्ध, बनबारी कुशवाहा, सोनाली असाठी, आर0एस0 वर्मा, आई.डी. अहिरवार सहित 12 उद्यानिकी अधिकारियों सहित 15 प्रगतिशील उद्यानिकी कृषकों ने भाग लिया।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति बैठक का आयोजन :–

केन्द्र की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक दिनांक 10.11.2020 को डॉ संजय वैशंपायन वरिष्ठ वैज्ञानिक संचालनालय विस्तार सेवाऐं, ज.ने.कृ. वि.वि. की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम में केन्द्र प्रभारी डॉ0 आशीष त्रिपाठी ने वर्ष 2020–21 की खरीफ फसलों की गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण किया एवं वर्ष रबी मौसम की कार्ययोजना बताई। डॉ0 वैशंपायन ने जिले में कड़कनाथ मुर्गीपालन, एवं मशरूम उत्पादन, कृषक उत्पादक संगठन के निर्माण, एवं मृदा परीक्षण, औषधीय कॉफ कैफेटेरिया में औषधीय पौधों को लगाने की सलाह दी। केन्द्र के कार्यों एवं लाईन डिपार्टमेंट के साथ समन्वय की सराहना की। डॉ. संजय वैशम्पायन ने प्रवासी कामगारों हेतु कौशल प्रशिक्षण के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

प्रवासी श्रमिको हेतु प्रशिक्षण :–

केन्द्र द्वारा भारत सरकार के गरीब कल्याण रोजगार योजनान्तर्गत तीन दिवसीय प्रवासी श्रमिकों हेतु रीवा के विभिन्न विकासखण्डों में कौशल विकास प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ, कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डा. एस. के पाण्डेय एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डा. ए.के. पाण्डेय के दिशा निर्देशन में उक्त कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम कोविड–19 की समस्त गाइडलाइन्स एवं सामाजिक दूरी के नियमों के अनुरूप माह जुलाई से सितम्बर 2020 तक प्रशिक्षण

कार्यक्रम हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से फार्म मशीनरी प्रबंधन एवं कस्टम हायरिंग सेन्टर अजोला उत्पादन, भूमि एवं जल संरक्षण, समन्वित कृशि प्रणाली, बाँस शिल्प कला, दूध प्रसंस्करण, कड़कनाथ मुर्गीपालन, कृषि जैव अवशिष्ट प्रबंधन, गृह वाटिका एवं पोशण, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन, टिकाऊ खेती एवं ग्रामीण व्यवसाय हेतु केचुआ खाद आदि पर प्रवासी श्रमिकों कों प्रशिक्षण केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया ।

गाजरघास जागरूकता सप्ताह का आयोजन :–

कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डा. एस. के. पाण्डेय एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डा. ए. के. पान्डेय के निर्देशन में गाजरघास जागरूकता सप्ताह का आयोजन ग्राम खर्रा, नईगढ़ी, रीवा में कोविड–19 की समस्त गाइडलाइन्स एवं सामाजिक दूरी के नियमों के अनुरूप किया गया। उक्त कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार पौध संरक्षण वैज्ञानिक ने बताया कि गाजरघास के प्रबंधन हेतु इसे उखाड़कर जलायें परंतु सुरक्षात्मक दस्ताने से हांथ पैर ढकें होने चाहिए और कालोनी, मैदान, खेल के मैदान में इसे उखाड़ने का स्कूल कालेज द्वारा अभियान चलाना चाहिए।

खरीफ की फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन :–

कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डा. एस. के. पाण्डेय एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डा. ए. के. पाण्डेय के निर्देशन में पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार एवं पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. केवल सिंह बघेल विभिन्न गांव का निरीक्षण कर एवं कृषकों द्वारा संचार मीड़िया के माध्यम से बताए गए फसलों में,

चावल (धान), सोयाबीन, मूँग, उर्द, अरहर एवं सब्जियों में लगने वाले कीट एवं रोग के लक्षण के आधार पर कृषकों को समसामयिक सलाह दी जा रही है। धान की पत्तियों के दोनों किनारे आपस में चिपके हो और पत्ती सफेद रंग की दिखे तो यह पत्ती लपेटक कीट की समस्या, सोयाबीन, मूँग, उर्द, अरहर में चूसने एवं काटने वाले कीट लगने पर इसके निदान हेतु लेम्डासाहिलोथ्रिन + थायोमिथाक्जाम 10 एम. एल / 15 ली. पानी अथवा फिप्रोनिल 5 प्रतिशत 2 एम. एल. / ली (400 एम. एल. / एकड़) की दर से प्रयोग करें।

गाँव रीठी में वृहत वृक्षारोपण अभियान :–

दिनाँक 17 सितंबर, 2020 को गाँव रीठी में वृक्षारोपण में कृषकों के साथ केंद्र के अधिकारियों ने वृक्षारोपण विषय में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुये एक वृहत वृक्षारोपण अभियान चलाया जिसके अंतर्गत कृषक श्री राजेश पटेल के यहाँ एक एकड़ में अमरुद प्रजाति इलाहाबादी सफेदा लगाया गया एवं दूसरे कृषक श्री रामराज पटेल के यहाँ एक एकड़ में मुनगा प्रजाति पी के एम –1 जिसमे उच्च प्रोटीन क्षमता का गुण होता है ग्रामवासियों के साथ सोशल डिस्टेंसिग अपनाते हुए वृक्षारोपण किया गया ।

दलहन तिलहन पर प्रशिक्षण आयोजित :–

केन्द्र में दलहन एवं तिलहन उत्पादन तकनीक पर एक–एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। केन्द द्वारा जिले में दलहन एवं तिलहन उत्पादन को बढ़ाने हेतु सतत प्रयास जारी हैं। भारत सरकार कृशि मंत्रालय नई दिल्ली द्रारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत रबी 2020–21 में केन्द्र द्रारा चना की उन्नतशील किस्म आर व्ही एस 202 का 10 हे० एवं तिलहन की उन्नतशील किस्म जे.एल.एस. 79 का 20 हे क्षेत्र में प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के नोडल अधिकारी डा. ब्रजेश कुमार तिवारी सस्य वैज्ञानिक ने बताया कि प्रदर्शन के पूर्व जिले के चयनित गॉवो के चयनित कृषकों को विषयवार फसल उत्पादन पर प्रशिक्षित दिया जाता है । केन्द्र प्रमुख नें कृषकों को उचित फसल चक्र अपनाकर दलहन तिलहन उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।

मधुमक्खी पालन इकाई की सीपना :–

केन्द्र में डा. (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवाएं, जे.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर के मार्गदर्शन में मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना की गई। इस अवसर पर प्रो. दिनकर प्रसाद शर्मा, संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं, जे. ने. के. वि. वि. जबलपुर द्वारा मधुमक्खी पालन इकाई एवं पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रों. डी.पी. शर्मा ने मधुमक्खी पालन कें विकास एवं प्रबंधन पर जोर दिया ।

किसान दिवस का आयोजन :–

केन्द्र द्वारा किसान दिवस के अवसर पर केन्द्र प्रमुख डॉ. ए.के. पाण्डेय ने बताया कि धान्य फसलों के साथ फलों और सब्जियों की भी खेती करें तो लाभ को दुगना किया जा सकता है । इस अवसर पर पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार ने मधुमक्खी पालन का खेती में सीधे तौर पर लाभ के साथ उसके सह उत्पाद के विषय में जानकारी दी और बताया कि अगर पृथ्वी से मधुमक्खियाँ विलुप्त हो जाए तो, विश्व में मानव का अस्तित्व केवल चार वर्षों तक ही संभव हो सकेगा, इसलिए इसे आज के समय में संरक्षित करने की आवश्यकता है ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का आयोजन :–

बलराम जयंती के शुभ अवसर पर मान. प्रधानमंत्री जी द्वारा किसान सम्मान निधि एव एग्री अधोसंरचना से सम्वंधित कार्यक्रम का टी. वी. /वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण दिनांक 09.08. 2020 को केन्द्र में आयोजित हुआ, जिसमें कुल 82 कृषको ने भाग लिया। आफलाइन 20 कृषको ने तथा आनलाइन 60 कृषको ने भाग लिया और मान.

प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम से लाभान्वित हुए। उपरोक्त कार्यक्रम डॉ0 के.एस यादव वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल वनाने में प्रमुख रूप से डॉ0 ममता सिंह, डॉ0 वैशाली शर्मा एवं डॉ0 ओ. पी. भारती आदि वैज्ञानिको का प्रमुख सहयोग रहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, देवरी

ICARDA के सहयोग से मसूर प्रदर्शनो का आयोजन :–

मसूर की उत्पादकता व क्षेत्र विस्तार हेतु ICARDA से प्राप्त उक्ठा निरोधी किस्मो IPL316, RVL31 व L4727 के प्रदर्शन संचालक विस्तार सेवाएं ज.ने.कृषि.वि.वि. जबलपुर के मार्गदर्शन में 25 हैक्टेयर क्षेत्र में ग्राम महुआखेड़ा, छिदली, रीछई, चिरई, बिजौरा, धुलतरा मे आयोजित किये गए।

प्रदर्शनो हेतु बीज वितरण कार्यक्रम माननीय श्री हर्ष यादव विधायक महोदय, देवरी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। श्री मयंक मेहरा जी ने कृषकों को मसूर की बुवाई हेतु खेत तैयारी व बीज उपचार की जानकारी दी। इस अवसर पर श्री देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव ैक्ष्, कृषि विभाग ने मसूर में उर्वरक प्रबंधन व रोग नियंत्रण की जानकारी दी।

संचालक विस्तार सेवाऐं का कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर–2 पर भ्रमण :–

दिनांक 25.11.2020 को डॉ0 ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवाऐं, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर, डॉ. टी.आर. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक (उद्यानिकी) एवं डॉ0 प्रमोद गुप्ता, वैज्ञानिक (पादप रोग विज्ञान) द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर–2 का भ्रमण कर केन्द्र पर स्थापित की जाने वाली प्रदर्शन ईकाईयों के लिए मार्गदर्शन व सुझाव दिये। संचालक विस्तार सेवाऐं ने क्षेत्र में सब्जी उत्पादन से संबंधित नवीन तकनीकी की पहचान कर कृषकों के मार्गदर्शन हेतु सुझाव दिये साथ ही कृषि अपशिष्ट से जैविक खाद बनाने हेतु कृषकों को प्रेरित करने की बात कही। डॉ0 टी0आर0 शर्मा जी ने भूमि सुधार व कटाव रोकने हेतु सनई व ढेंचा को खरीफ में उगाने, फेंसिंग के किनारे–किनारे करोंदा, नीबू का वृक्षारोपण व भूमि के समतलीकरण के पश्चात् फसल की उपयुक्तता निर्धारण कर बीजोत्पादन लेने की सलाह दी। डॉ0 के0 एस0 यादव ने खरीफ में लिये गये कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। डॉ0 आशीष कुमार त्रिपाठी ने प्रक्षेत्र पर लिये जा रहे प्रजनक बीज उत्पादन गेहूं व अलसी का अवलोकन कराया ।

उधानिकी विभाग के साथ नैदानिक भ्रमण का आयोजन :–

सागर जिले मे लहसुन व प्याज की फसल मे रोगों के प्रकोप की जानकारी मिलने पर उपसंचालक उधानिकी श्री सोमनाथ राय, डॉ आशीष त्रिपाठी, वरिष्ठ

वैज्ञानिक व प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र सागर – 2, बिजौरा, देवरी तथा एन. के गोयल, एस. एच. डी, ओ. ने रहली व देवरी विकासखण्ड के लहसुन उत्पादक क्षेत्रों का भ्रमण कर कृषकों को समसायिक सलाह दी।

कृषक संगोष्ठी का आयोजन :–

कृषि विज्ञान केंद्र सागर –2 देवरी द्वारा ग्राम महुआखेड़ा में एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में मुंहासा, सहजपुर, मनकापुर, खमरिया, चतुर्भुटा के 148 किसान भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ0 आशीष त्रिपाठी वैज्ञानिक पौध संरक्षण एवं केन्द्र प्रभारी द्वारा रबी फसलों से संवधित सामयिक कार्यो पर चर्चा की । श्री मयंक मेहरा ने गृहवाटिका में सब्जी उत्पादन, फल एवं सब्जी परिरक्षण की जानकारी दी एवं कृषकों को स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत साफ–सफाई की जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

महिला किसान दिवस :–

केंद्र में दिनॉक 15.10.2020 को महिला किसान

दिवस का आयोजन श्रीमति मीना बिसेन जी, अध्यक्ष जिला पंचायत सिवनी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एन. के. सिंह द्वारा कृषि मे महिलाओं के योगदान पर जानकारी देते हुए बताया की प्राचीन काल से ही कृषि के क्षेत्र में महिलायें बुवाई, कटाई, तक सभी कार्यो में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। खाद्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री जी. के. राणा द्वारा खाद्य प्रसंस्करण, रसोई में महिलाओं के अभिन्न योगदान तथा महिला समूहों तथा समितियों के माध्यम से कृषि के आयामों में सक्रिय रूप से भागीदारी पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि द्वारा कृषि के क्षेत्र में महिलाओं द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत महिलाओं के कल्याण के लिए लायी गयी योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया गया साथ ही कृषि विधेयक बिल 2020 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण :–

पोषण माह 2020 के दौरान केंद्र में दिनॉक 05. 09.2020 को आंगनवाडी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें खाद्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री जी. के. राणा द्वारा धात्री माताओं के लिए पोषण सलाह दी गई। जिसमें पोषक तत्वों की मांग व आवश्यकताओं के आधार पर भोजन का चुनाव भोजन के चुनाव से संबंधित भ्रांतिया, विभिन्न पोषक तत्वों का पोषण में योगदान व खाद्य पदार्थो में मिलावट पर चर्चा की गई केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एन. के. सिंह द्वारा फल व सब्जियों का चुनाव उत्पादन तकनीक

व फसलों की विभिन्न बायोफोर्टिफाईड किस्में तथा उनके पोषक महत्वों के बारे में विस्तृत से जानकारी प्रदाय की गई।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक :–

केंद्र में रबी पूर्व की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक श्री ओम ठाकुर, प्रमण्डल सदस्य, ज. ने. कृ. वि. वि. जबलपुर के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न हुई । कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एन. के. सिंह द्वारा रबी वर्ष 2019–20 में किए गए कार्य एवं आगामी रबी वर्ष 2020–21 की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण उपस्थित सदस्यों के समक्ष किया गया डॉ. टी. आर. शर्मा प्रधान वैज्ञानिक संचालनालय विस्तार सेवायें ज. ने. कृ. वि. वि. जबलपुर द्वारा अपने उद्बोधन में केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यो में तकनीकी प्रदर्शन में फसल उत्पादन बढाने के साथ ही खाद्य प्रसंस्करण से जोडने की बात कही साथ ही कृषक उत्पादक संगठन से कृषकों को जोडे जाने की सलाह दी। डॉ. व्ही. के. पराडकर, अधिष्ठाता उद्यानिकी महाविद्यालय छिंदवाडा द्वारा जिले में मक्का की खेती में स्वीट कार्न, बेवी कार्न, प्रोटीन मक्का की खेती का रकबा बढाने पर सलाह दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

ग्रामीण कल्याण रोजगार अभियान :–

भारत सरकार द्वारा प्रवासी कामगारों के लिए ग्रामीण कल्याण रोजगार अभियान केन्द्र द्वारा ग्राम– दुलादर ब्लॉक–गोहपारू में दिनांक 02.10.2020 से 04. 10.2020 तक, मृदा और जल संरक्षण संरचनाओं विषय पर ग्राम – अमरहा ब्लॉक– सोहागपुर में दिनांक 05.10. 2020 से 07.10.2020 तक फार्म मशीनरी रखरखाव और

कस्टम हायरिंग विषय पर एवं ग्राम– खम्हडोल ब्लॉक– सोहागपुर में दिनांक 08.10.2020 से 10.10.2020 तक एकीकृत कृषि प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय कौशल प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक प्रशिक्षण में पैंतीस प्रवासियों ने भाग लिया एवं इन विषयगत क्षेत्रों में कुशलता प्राप्त की तथा अपने ग्राम में ही स्वरोजगार के लिए प्रयासरत है।

महिला किसान दिवस :–

दिनांक 15 अक्टूबर 2020 को महिला किसान दिवस केन्द्र में मनाया गया जिसका विषय था ''वोकल फारलॉकल'' । हाथ से संचालित उपकरणों का उपयोग करके कृषक महिलाओं की दक्षता बढ़ाने एवं कृषि में महिलाओं की भूमिका पर विचार–विमर्श किया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र के प्रमुख, डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी के अवसर पैदा करने एवं इस कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर मनाने का सुझाव दिया । इसके अलावा केन्द्र के वैज्ञानिकों ने कृषि में प्रगतिशील महिलाओं के प्रमुख योगदान और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने एवं ग्रामीण गरीबी उन्मूलन में उनकी भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकगण, तकनीकी कर्मचारियों के साथ 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

विश्व खाद्य दिवस :–

दिनांक 16 अक्टूबर 2020 को ग्राम– लामरो, ब्लाक– सोहागपुर में मनाया गया, जिसका विषय था ''बढ़ो, पोषण करो, निर्वाह करों । ''इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिकों ने किसानों एवं कृषक महिलाओं से अभिनव वैज्ञानिक कृषि नवाचार को अपनाने की अपील की ताकि फसल अधिक मजबूत हो ताकि प्रतिकूल मौसम में भी फसलों पर अधिक प्रभाव न हो । घरेलू पोषण के संबंध में किचन गार्डन की भूमिका के बारे में बताया गया । दैनिक जीवन में संतुलित आहार का महत्व और कुपोषण मिटाने के लिए मुनगा के पोषण संबंधी लाभ के विषय में विस्तार से जानकारी दी ।

सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम :–

महिला एवं बाल विकास विभाग एवं केन्द्र द्वारा सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्राम–गिरवा, ब्लॉक– बुढ़ार में दिनांक 28.11.2020 को आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय था बच्चों के लिए 'पहले 1000 दिनों के महत्व एवं व्यक्ति के जीवन चक्र पर इसके प्रभाव ।'

26वीं वैज्ञानिक परामर्शदात्री :–

केन्द्र में दिनांक 04 दिसम्बर, 2020 को 26वीं वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ. ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ने की बैठक में डॉ. एस.के. त्रिपाठी प्रधान वैज्ञानिक, कृषि महाविद्यालय, रीवा शामिल हुए । मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती पुनिया यादव, अध्यक्ष जिला कृषि समिति मौजूद थीं, बैठक के दौरान खरीफ प्रगति और रबी योजना पर गहन चर्चा की गई एवं रबी कार्य योजना पर सुझाव दिए गए ।

न्यूट्री स्मार्ट :–

न्यूट्री स्मार्ट ग्राम– कुंवर सेजा, ब्लॉक– सोहागपुर में दिनांक 22.12.2020 को सब्जी बीज वितरण के साथ–साथ किनोवा की खेती के लिए प्रशिक्षण दिया गया । पोषण सुरक्षा के लिए किनोवा सुपर फूड के महत्व पर जोर दिया गया ।

किसान सम्मान निधि योजना :–

भारत सरकार की किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एवं किसान और विज्ञान दिवस के अवसर पर केन्द्र द्वारा दिनांक 25 दिसंबर 2020 को कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया । इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ

वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने नए कृषि बिल के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के सभी अधिकारी कर्मचारियों के साथ 68 प्रतिभागी उपस्थित थे ।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड :–

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनान्तर्गत किसान मेला 26 दिसम्बर, 2020 को सभी विभागों के साथ मिलकर ग्राम– चरका, ब्लॉक– ब्यौहारी में आयोजित किया गया। केन्द्र के वैज्ञानिकों ने स्थायी कृषि के लिए जैविक खेती के महत्व एवं जैविक खाद तैयार करने की प्रक्रियाओं पर व्याख्यान दिया । जैव अपघटक के माध्यम से जैविक कचरे के उचित उपयोग और अपघटन पर भी जोर दिया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

गरीब कल्याण रोजगार अभियान :–

केन्द्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. एम.एस. बघेल, डा. अलका सिंह, गृह वैज्ञानिक, डा. धनंजय सिंह, सस्य वैज्ञानिक एवं श्रीमती अमृता तिवारी, कार्यक्रम सहायक पौध संरक्षण के द्वारा माह जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर 2020 में गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अन्तर्गत कुल 16 प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 568 प्रवासी कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षित किया गया इस प्रशिक्षण में प्रवासी कार्यकर्ताओ को एजोला उत्पादन, केंचुआ खाद उत्पादन, दलहन एवं तिलहन फसलो का प्रसंस्करण, दूध प्रसंस्करण एवं मशरूम उत्पादन विषय पर कुल 16 प्रशिक्षण सीधी जिले के 05 ब्लॉको के अलग–अलग ग्रामो में आयोजित किये गये।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री की बैठक :–

दिनांक 20 नवम्बर 2020 को वैज्ञानिक परामर्शदात्री की बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक के मुख्य अतिथि डा. दिनकर प्रसाद शर्मा, सयुक्त संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर थे इस बैठक में सीधी जिले के विभिन्न विभागो के विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। दिनांक 23–24 नवम्बर 2020 को पौध संरक्षण विषय पर एवं 24–25 नवम्बर 2020 को सस्य विज्ञान विषय पर अन्तः सेवा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 24 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण में श्रीमती अमृता तिवारी कार्यक्रम सहायक पौध संरक्षण के द्वारा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियो को रबी की फसलो में लगने वाले विभिन्न बीमारियो के बारे में अवगत कराया एवं डा. धनंजय सिंह वैज्ञानिक, सस्य वैज्ञानिक के द्वारा रबी फसलो में खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी गई।

स्वच्छता ही सेवा :–

दिनांक 03 दिसम्बर 2020 को कृषि शिक्षा

दिवस का आयोजन केन्द्र में किया गया जिसमें शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय कृषि संकाय के छात्र एवं छात्रायें इस आयोजन में उपस्थित रहें। दिनांक 05 दिसम्बर 2020 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कृषको को मृदा की उर्वरता बरकरार रखने के लिये समझाइस दी गई एवं फार्म बिल जागरूकता कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन किया गया, दिनांक 16–31 दिसम्बर 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत प्रतिदिन अलग–अलग कार्यक्रमः स्वच्छता जागरूकता, रैली, प्रशिक्षण केन्द्र की साफ–सफाई का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

महिला कृषक दिवस :–

दिनांक 15 अक्टूबर 2020 को महिला कृषक दिवस के अवसर पर केंद्र द्वारा कृषि में महिलाओं की सहभागिता विषयक संगोष्ठी का आयोजन कृषि विस्तार प्रशिक्षण केंद्र सिंगरौली में किया गया संगोष्ठी के अंतर्गत कृषि आधारित उद्दमो द्वारा महिला सशक्तिकरण , महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु सरकार शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की गई कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रमंडल सदस्या श्रीमती आशा अरुण यादव के मुख्य आतिथ्य तथा उपसंचालक कृषि श्री आशीष पांडेय की अध्यक्षता में कुल 53 महिलाओं एवं 10 विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारीयों की सहभागिता रही ।

जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव और बचाव के उपाय पर कार्यक्रम :–

भारत में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव और बचाव के उपाय पर दिनांक 21 नवंबर को कार्यशाला का आयोजन नाबार्ड एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस कार्यक्रम में बताया गया कि भारत में कृषि प्रमुखतः मौसम पर आधारित है और जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले मौसमी बदलावों का इस पर बेहद असर पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण हुई तापमान वृद्धि से कृषि प्रभावित होती है, इसलिये यह जरूरी है कि किसानों को यह पता होना चाहिये कि इस समस्या का सामना कैसे किया जाए। इस कार्यशाला में उपस्थित किसानों को इस समस्या के समाधानों की जानकारी दी गयी।

पूर्व रबी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक :–

छः माही आयोजित होने वाली वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन दिनांक 17 दिसम्बर 2020 को केंद्र में किया गया। जिसमें निर्देशक, कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसन्धान संस्थान–डॉ एस. आर. के. सिंह , संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं–डॉ. दिनकर शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक उद्यानिकी–डॉ. टी. आर. शर्मा, उपसंचालक कृषि–डॉ. आशीष पांडेय, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं– डॉ. डी. पी. तिवारी उपस्थित हुए।

बाउंड्री वॉल का उद्घाटन कार्यक्रम :–

दिनांक 17 दिसम्बर 2020 को ग्राम देवरा में बन रहे कृषि विज्ञान केंद्र , सिंगरौली के कार्यालय की बाउंड्री वाल का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर सिंगरौली के दिशा निर्देश आयोजित इस कार्यक्रम में माननीया सांसद, संसदीय क्षेत्र सीधी, सिंगरौली के कर कमलों से शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय विधायक, विधान सभा क्षेत्र 80 सिंगरौली श्री राम लल्लू बैस्य द्वारा की गयी तथा माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 82 धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम, माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 79 चितरंगी श्री अमर सिंह, माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 78 सिंहावल श्री कमलेश्वर पटेल तथा माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 81 देवसर श्री सुभाष रामचरित्र,निर्देशक, कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसन्धान संस्थान–डॉ एस. आर. के. सिंह , संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं–डॉ. दिनकर शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक उद्यानिकी–डॉ. टी. आर. शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

कोविड– 19 एवं लॉक डाउन के दौरान गरीब कल्याण रोजगार अभियान अन्तर्गत रोजगार व्यवसाय प्रशिक्षण प्रवासी मजदूरो को दिया गया :–

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान को केन्द्र द्वारा 15 जुलाई 2020 से 12 सितम्बर 2020 के दौरान चलाया गया, जिसमें 16 कृषि रोजगार व्यवसाय प्रशिक्षणों के माध्यम से जिले में 560 प्रवासी मजदूरो को

मशरुम उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, केंचुआ खाद बनाना, नर्सरी प्रबंधन और जैव अवशिष्ट पदार्थ अपघटन द्वारा खाद बनाना पर प्रत्येक प्रशिक्षण में 35 प्रवासी मजदूरों ने भाग लिया, प्रशिक्षण वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी. एस. किरार के निर्देशन में, डॉ. आर. के. प्रजापति, नोडल आफिसर/वैज्ञानिक पौध संरक्षण, डॉ. एस. के. सिंह, वैज्ञानिक उद्यानिकी, डॉ एस. के. खरे, वैज्ञानिक पशुपालन, डॉ. यू. एस. धाकड, वैज्ञानिक सस्य विज्ञान के द्वारा सम्पन्न किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. आई. डी. सिंह, सहायक नोडल अधिकारी, जयपाल छिगरा का सहयोग रहा ।

अनुसूचित जाति उप योजनान्तर्गत प्रशिक्षण एवं गेंहूँ, चना एवं सरसो की उन्नत किस्मो का बीज वितरण कार्यक्रम :–

केन्द्र के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजनान्तर्गत किसानो को वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा. बी. एस. किरार के निर्देशन में डा. आर. के. प्रजापति, वैज्ञानिक नोडल अधिकारी प्रशिक्षण एवं बीज वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया । इसके अर्न्तगत गेंहू की किस्म एच. आई.–8759, एवं जी. डब्ल्यू–451 को प्रत्येक मात्रा 20 कि.ग्रा. को 200

अनुसूचित जाति किसानो के 27 गांव में, चना की किस्म आर.बी.जी. 201 की प्रत्येक मात्रा 15 कि.ग्रा. को कुल 200 कृषको के 26 गांव में एवं सरसो की किस्म गिरिराज 5 गांव में 33 कृषको को प्रदर्शन में निःशुल्क बीज वितरण किया गया ।

किसान दिवस का आयोजन :–

केन्द्र द्वारा दिनांक 23 दिसम्बर 2020 को पूर्व प्रधानमंत्री माननीय चौधरी चरण सिंह के जन्म दिन के उपलक्ष्य में किसान दिवस का आयोजन डॉ. बी. एस. किरार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के निर्देशन में ग्राम–महोबिया, विकास खण्ड– बल्देवगढ़, जिला– टीकमगढ़ में किया गया इस अवसर पर, डॉ. आर. के. प्रजापति, वैज्ञानिक (पौद्य सरंक्षण) ने रबी में गेंहू, चना, सरसो, सब्जियों में लगने वाले रोग एवं कीट व्याधियों पर किसानो को बचाव के उपाय बताये डॉ. आई. डी. सिंह, मृदा वैज्ञानिक ने खाद उर्वरक का संतुलित उपयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करने पर जोर दिया और कृषको को उचित तरीके से खाद के प्रयोग की जानकारी दी ।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम :–

केन्द में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का वर्चुअल उद्बोधन किसानो को सुनवाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राकेश गिरी माननीय विधायक टीकमगढ़ एवं अध्यक्षता डॉ. यू. के. तिवारी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़ थे । कार्यक्रम में डॉ. बी. एस. किरार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डा. एस. के. खरे, वैज्ञानिक, डॉ. आर. के. प्रजापति, डा. एस. के. सिंह, डा. आई.डी. सिंह, श्री हंसनाथ खान, जयपाल छिगारहा एवं कृषि महाविद्यालय से डॉ. वी. के. सिंह, डॉ. डी. एस. तोमर, डॉ. योगरंजन भी उपस्थित रहें साथ ही कृषि छात्र एवं कृषक/महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन मे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के नौ करोड़ किसानो के खाते में सीधे 18 हजार करोड़ रुपये हस्तांतरण कर रहे है । यह राशि खेती की लागत मे किसानो के लिये मददगार सिद्व होगी । जिससे किसान अपनी खेती को लाभ का धन्धा बनाने की ओर अग्रसर होगे किसान वर्तमान परिस्थिति को ध्यान मे रखते हुये कृषि वैज्ञानिकों से सतत् सम्पर्क रखे और खेती को व्यवसायिक तरीके कर अधिक रोजगार मुखी एवं लाभकारी बनायें ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

बीसवीं वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न :–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. दिनकर शर्मा की अध्यक्षता में दिनांक 04 दिसम्बर 2020 को बीसवी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक का

आयोजन किया गया डां. दिनकर शर्मा द्वारा केन्द्र के माध्यम से संचालित खरीफ एवं रबी की गतिविधिया की समीक्षा की गई एवं सुझाव तथा दिशा निर्देश दिये गये।

संचालक विस्तार द्वारा पोषण गाँव का भ्रमणः–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर की संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. ओम गुप्ता एवं संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. दिनकर शर्मा द्वारा सैटलाइट ग्राम ताली का भ्रमण दिनांक 05 दिसम्बर 2020 को किया गया, इस दौरान कृषको के प्रक्षेत्र का भ्रमण कर कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सेटलाईट ग्राम ताली मे संचालित गतिविधियों का निरीक्षण कर अवलोकन कर मार्गदर्शन दिया गया ।

कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी जोन–9) के निर्देशक द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण :–

आई.सी.ए.आर.–कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (ICAR-ATARI) जोन–9 जबलपुर के निर्देशक डॉ. एस. आर. के. सिंह द्वारा केन्द्र का भ्रमण दिनांक 18 दिसम्बर 2020 को किया गया। निर्देशक महोदय के द्वारा केन्द्र के प्रक्षेत्र पर संचालित प्रदर्शन

इकाईयो का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिये गये।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ.एस.एम.) अन्तर्गत रवि में दलहन एवं तिलहन फसलों मे क्लस्टर अग्रिम पक्ति प्रदर्शनों का आयोजन :–

भारत सरकार के राष्ट्रीय खाद्य संरक्षा मिशन अन्तर्गत अटारी जोन–9 एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के मार्गदर्शन में रबी में दलहन अन्तर्गत चना फसल की किस्म जे.जी.–12 में ग्राम धवइझर एवं नयेगाव में 20 हेक्टर भूमि में 50 कृषको के प्रक्षेत्र पर क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन हेतु आदान–सामग्री का वितरण कर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

ज.ने. कृषि वि.वि., जबलपुर

Website: www.jnkvv.org
e-mail:desjnau@rediffmail.com
des@jnkvv.org
Phone: 0761-2681710

बुक–पोस्ट
मुद्रित सामग्री

प्रति,

_____

_____

_____

मुद्रक : संचार केन्द्र, ज.ने.कृषि वि.वि., जबलपुर
फोन : 0761-4045384, ई-मेल : sanchar.jnkvv@gmail.com